वैश्विक तनाव से बढ़े तेल के दाम

बढ़ती अस्थिरता ने तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका को और गहरा कर दिया

नई दिल्ली, 18 मई वैश्विक तेल बाजार में सोमवार को जोरदार उछाल देखने को मिला, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते राजनीतिक तनाव ने निवेशकों और व्यापारी वर्ग की चिंता बढ़ा दी है.

यह उछाल उस समय और तेज हुआ जब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बराकाह परमाणु संयंत्र पर कथित 'आतंकी हमला' होने की खबरें आईं. इन घटनाओं के चलते तेल की आपूर्ति में बाधा आने की आशंका ने कच्चे तेल की कीमतों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया.

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 2.37 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 111.86 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड में 3.11 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और इसकी कीमत 108.70 डॉलर प्रति बैरल हो गई. घरेलू वायदा बाजार में भी कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिली. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया पर जून अनुबंध वाला कच्चा तेल लगभग 300 रुपये बढ़कर 9,978 रुपये प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा.

पिछले सप्ताह भी कच्चे तेल की कीमतों में सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई थी. इसका मुख्य कारण शांति समझौते की संभावनाओं में कमी और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ता तनाव था. तेल बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह क्षेत्र पेट्रोलियम परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है और यहां कोई भी अस्थिरता वैश्विक आपूर्ति पर सीधे असर डाल सकती है.

> तेल बाजार में तेजी तब और बढ़ गई जब संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब में ड्रोन हमलों की नई घटनाएं सामने आईं. यूएई अधिकारियों ने बराकाह परमाणु संयंत्र पर हुए हमले की जांच शुरू कर दी है और इसे 'आतंकी हमला' करार देते हुए देश को अपने जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखा है. विशेषज्ञ मानते हैं कि इस प्रकार की घटनाएं वैश्विक तेल आपूर्ति और निवेशकों के विश्वास पर गंभीर असर डाल सकती हैं.

रुपया 44 पैसे टूटा, 96 .25 रुपये प्रति के ऐतिहासिक निचले स्तर पर

मुंबई, 18 मई कच्चे तेल में जारी तेजी के कारण अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में शुरुआती कारोबार में रुपया सोमवार को 44 पैसे टूट गया और पहली बार एक डॉलर 96.25 रुपये का बोला गया.

पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 17 पैसे की गिरावट में 95.81 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी. बीच कारोबार में इसका निचला स्तर 96.14 रुपये प्रति डॉलर रहा था. रुपये पर आज शुरू से ही दबाव रहा. यह 38 पैसे नीचे 96.18 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. फिलहाल यह 96.25 रुपये प्रति डॉलर तक टूट चुका है.

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में तेजी रही. कच्चे तेल का मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.8 फीसदी की बढ़त के साथ 111 डॉलर प्रति बैरल हो गया.

रिजर्व बैंक के मास्टर स्ट्रोक से डॉलर पर लगाम

विदेशी मुद्रा बाजार में सीधे डॉलर बेचे गए

ब्याज दरों और एनआरआई डिपॉजिट में बदलाव

नई दिल्ली, 18 मई 2026 **पिछले कुछ दशकों में जब भी रुपया गिरने की स्थिति बनी, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने समय रहते अपने मास्टर स्ट्रोक से मुद्रा को संभाला. 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद और** 2013 **में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के संकेतों के दौरान भी , रिजर्व बैंक ने रणनीति बदलकर रुपया मजबूत किया था.**

वर्तमान में ईरान युद्ध और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण रुपया फिर संवेदनशील स्थिति में है. 18 मई को डॉलर के मुकाबले रुपया 95.40 पर था. , रिजर्व बैंक ने इस बार भी विदेशी मुद्रा बाय-सेल स्वैप

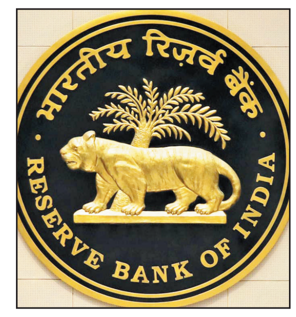

नीलामी, बांड खरीद और ब्याज दरों के जरिए रुपया संभालने की रणनीति अपनाई है. 1998 में पोखरण-2 के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए. विदेशी निवेशक भारत से बाहर जाने लगे और रुपया तेजी से कमजोर हुआ. सरकार और , रिजर्व बैंक ने मिलकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के जरिए फॉरेन करेंसी बांड्स जारी किए और लगभग 5.5 अरब डॉलर का भारी प्रवाह देश में लाया.

नतीजा यह हुआ कि रुपया गिरने से बच गया और विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया. मई 2013 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के संकेतों के बाद दुनिया के उभरते बाजारों से डॉलर वापस आने लगे. भारत का रुपया 54 से टूटकर 68.80 तक पहुंच गया

> 1991 के संकट की तुलना में आज भारत के पास मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और फॉरवर्ड बुक है . साथ ही अधिकांश खाद्य सामग्री देश में ही उत्पादित होती है, इसलिए रुपए की गिरावट का असर आम जनजीवन पर सीमित है . , रिजर्व बैंक की रणनीति और सहयोगी संस्थाओं के प्रयासों के कारण वर्तमान में रुपया गिरावट से बचा हुआ है और बाजार स्थिर बना हुआ है .

कपास पर 11 प्रतिशत आयात शुल्क हटाने की मांग

नई दिल्ली, 18 मई तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने केंद्र सरकार से कपास पर लगाए गए 11 प्रतिशत आयात शुल्क को समाप्त करने की मांग की है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि कपास और सूत की लगातार बढ़ती कीमतों ने देश के टेक्सटाइल और परिधान उद्योग पर भारी दबाव पैदा कर दिया है. यदि जल्द राहत नहीं दी गई तो यह उद्योग बड़े संकट का सामना कर सकता है.

मुख्यमंत्री विजय ने अपने पत्र में कहा कि पिछले दो महीनों के दौरान कपास की कीमत 54,700 रुपये प्रति कैंडी से बढ़कर 67,700 रुपये प्रति कैंडी तक पहुंच गई है. यानी कीमतों में लगभग 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. वहीं सूत की कीमत भी 301 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 330 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है. इस तेजी का सीधा असर कपड़ा उद्योग की उत्पादन लागत पर पड़ रहा है, जिससे निर्यात और घरेलू बाजार दोनों प्रभावित हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल और परिधान उद्योग देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार का महत्वपूर्ण आधार है. ऐसे में कच्चे माल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी उद्योग के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है. आयात शुल्क के कारण उद्योग को सस्ती दरों पर कपास उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे उत्पादन लागत लगातार बढ़ रही है और उद्योग प्रतिस्पर्धा में पिछड़ सकता है.

पेट्रोल-डीजल 3 महंगा, राजकोष प्रभावित नहीं

नई दिल्ली, 18 मई भारतीय स्टेट बैंक की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में हाल ही में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से तेल विपणन कंपनियों को बड़ी राहत मिलेगी, जबकि देश की राजकोषीय स्थिति पर इसका कोई सीधा असर नहीं पड़ेगा. ब्रेंट क्रूड की बढ़ती कीमतों और कंपनियों के भारी नुकसान को कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है. एसबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बढ़ोतरी से अंडर-रिकवरी में 52,700 करोड़ रुपये की राहत मिलेगी, जो अनुमानित कुल नुकसान का लगभग 15 प्रतिशत है. हालांकि, खुदरा महंगाई पर इसका मामूली असर हो सकता है और मई-जून 2026 में महंगाई दर में 15-20 बेसिस पॉइंट्स का तात्कालिक उछाल देखा जा सकता है.

रेलवे शेयर ने बनाया करोड़पति निवेशक

रेलवे शेयर ने निवेशकों की छोटी रकम को लाखों में बदल दिया

मुंबई, 18 मई 2026 भारतीय शेयर बाजार में कई ऐसे शेयर मौजूद हैं जिन्होंने लंबे समय में निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न देकर मालामाल कर दिया. रेलवे सेक्टर की कंपनी कर्नेक्स माइक्रोसिस्टम्स का नाम भी ऐसे ही मल्टीबैगर शेयरों में शामिल हो गया है.

रेलवे सुरक्षा और एंटी-कोलिजन तकनीक से जुड़ी इस कंपनी ने पिछले पांच वर्षों में निवेशकों को 2412 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है. यही वजह है कि बाजार में इस शेयर की चर्चा तेजी से बढ़ रही है.

कर्नेक्स माइक्रोसिस्टम्स का शेयर पांच साल पहले 21 मई 2021 को करीब 54.40 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जो अब बढ़कर 1366.90 रुपये तक पहुंच

चुका है. इस हिसाब से यदि किसी निवेशक ने पांच साल पहले इस शेयर में एक लाख रुपये लगाए होते, तो आज उसके निवेश की कीमत करीब 25 लाख रुपये से ज्यादा हो चुकी होती. इस असाधारण रिटर्न ने इसे रेलवे सेक्टर का सबसे चर्चित मल्टीबैगर शेयर बना दिया है.

कंपनी की स्थापना वर्ष 1991 में हुई थी और आज यह भारतीय रेलवे के लिए सुरक्षा समाधान तैयार करने वाली प्रमुख कंपनियों में शामिल है.

> कंपनी के शेयर में तेजी का सबसे बड़ा कारण केंद्र सरकार की 'कवच' योजना है . भारतीय रेलवे ने देशभर के प्रमुख रेल मार्गों पर ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम यानी 'कवच' लागू करने की दिशा में तेजी दिखाई है . कर्नेक्स माइक्रोसिस्टम्स उन चुनिंदा कंपनियों में शामिल है जिन्हें सरकार ने कवच प्रणाली के लिए अधिकृत ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर (ह्रश्वरू) के रूप में मंजूरी दी है . इससे कंपनी के लिए बड़े ऑर्डर और भविष्य की संभावनाएं मजबूत हुई हैं .

एक साल तक सोना नहीं खरीदेंगे अधिकारी

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिया मितव्ययिता का बड़ा संदेश

20% रोटेशनल वर्क फ्रॉम होम होगा लागू

नई दिल्ली, 18 मई 2026, **प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मितव्ययिता, संसाधन-संरक्षण और आत्मनिर्भरता की अपील को प्रशासनिक अमल का रूप देते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को बड़े फैसले किए.**

अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में एक तरफ जहां बचत, ईंधन-संरक्षण, बिजली नियंत्रण, वर्चुअल कार्यप्रणाली और सरकारी खर्च घटाने के उपाय तय किए गए, वहीं दूसरी ओर अधिकारियों ने एक वर्ष तक विशेष पारिवारिक परिस्थितियों को छोड़कर सोना नहीं खरीदने का भी सामूहिक संकल्प लिया.

वैश्विक चुनौतियों और बदलते आर्थिक माहौल के बीच केंद्र सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह संदेश दे रही है कि राष्ट्रहित में संयम और बचत की शुरुआत सरकार खुद से करेगी. इसी दिशा में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि शिक्षा और भूमि संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक कर कई ऐसे फैसले किए, जो शासन, समाज और कृषि- तीनों स्तरों पर सकारात्मक असर डालने वाले हैं.

कृषि भवन, नई दिल्ली में आज आयोजित इस बैठक में सबसे महत्वपूर्ण संदेश उस समय उभरा, जब अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के आह्वान पर सामूहिक रूप से यह फैसला किया कि अगले एक वर्ष तक, केवल बेटी की शादी या किसी विशेष अपरिहार्य पारिवारिक अवसर जैसी परिस्थितियों को छोड़कर, वे सोना नहीं खरीदेंगे.

> बैठक में यह भी तय किया गया कि लगभग 20 प्रतिशत कर्मचारियों के लिए रोटेशन के आधार पर वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था लागू की जाएगी . हालांकि इसके साथ यह भी कहा गया है कि फाइल निस्तारण, बैठकों, समन्वय, राज्य-संबंधी कार्य और नियमित कार्यालयीन कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए . घर से काम करने वाले कर्मचारी फोन, ईमेल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ई-ऑफिस के माध्यम से उपलब्ध रहेंगे .

सोना-चांदी में बदलाव, रेट में हलचल

नई दिल्ली, 18 मई . आज 18 मई 2026 **को देश के सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में हल्का उतार-चढ़ाव देखने को मिला. अंतरराष्ट्रीय बाजार में जारी भू-राजनीतिक तनाव और निवेशकों की बदलती धारणा के बीच सोने की कीमतों में मामूली तेजी दर्ज की गई, जबकि कुछ समय के उतार-चढ़ाव के बाद बाजार में स्थिरता की ओर रुझान दिखा.**

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 24 कैरेट सोने का वायदा भाव 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 261 रुपये चढ़कर

1,58,808 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. इससे पहले यह 1,58,547 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था. दिन के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जहां शुरुआती गिरावट के बाद बाद में खरीदारी बढ़ने से कीमतों में सुधार हुआ. इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार भी सोने के भाव में हल्की गिरावट और तेजी का मिश्रित रुख रहा. 24 कैरेट सोना शाम तक 1,57,739 रुपये प्रति 10 ग्राम पर दर्ज किया गया, जबकि सुबह के मुकाबले इसमें मामूली बदलाव देखने को मिला. इसी तरह 22 कैरेट, 18 कैरेट और 14 कैरेट सोने की कीमतों में भी हल्का बदलाव दर्ज हुआ.=

चांदी के बाजार में भी हल्की हलचल रही, हालांकि बड़ी गिरावट या तेजी का रुझान नहीं दिखा. विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजार में डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव के कारण कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है.

अमेज़न का बड़ा कैशबैक दांव

नई दिल्ली, 18 मई अमेज़न ने भारत के तेजी से बढ़ते क्विक कॉमर्स बाजार में अपनी मौजूदगी मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है. कंपनी अपनी ग्रॉसरी डिलीवरी सेवा 'अमेज़न नाउ' के जरिए ग्राहकों को 200 रुपये की खरीदारी पर 100 रुपये तक का कैशबैक दे रही है. यह कैशबैक अमेज़न पे पॉइंट्स के रूप में मिलेगा. माना जा रहा है कि कंपनी का यह कदम सीधे तौर पर ब्लिंकिट और ज़ेप्टो को टक्कर देने के लिए उठाया गया है. भारत में क्विक कॉमर्स सेक्टर तेजी से विस्तार कर रहा है.

शेयर बाजारों में बिकवाली हावी

77 .5 अंक से बढ़ा सेंसेक्स

6 .45 अंक से आगे रहा निफ्टी

मुंबई, 18 मई विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को बिकवाली हावी रही, हालांकि दिग्गज कंपनियों में बाद में हुई लिवाली से प्रमुख सूचकांक हरे निशान में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स 77.05 अंक (0.10 प्रतिशत) बढ़कर 75,315.04 अंक पर पहुंच गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी लगभग पूरे दिन लाल निशान में रहने के बाद 6.45 अंक यानी 0.03 प्रतिशत ऊपर 23,649.95 अंक पर रहा. डॉलर की तुलना में रुपये में जारी नरमी और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में तेजी से बाजार में निवेश धारणा कमजोर है. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया आज 58 पैसे टूटकर 96.39 रुपये प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर तक फिसल गया. वहीं, कच्चा तेल एक प्रतिशत चढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच

समाचार विशेष

निकाय चुनाव में चला ट्रिपल इंजन मॉडल

चंडीगढ़. हरियाणा के सात निकायों में से छह पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीत हासिल की है. इस जीत में चुनाव को लेकर पार्टी की गंभीरता, बूथ मैनेजमेंट और संवाद की अहम भूमिका रही है. इसके साथ ही जनता ने भी पार्टी के ट्रिपल इंजन सरकार की अवधारणा पर अपनी मुहर लगा दी है.

साल 2024 के विधानसभा चुनाव में पंचकूला और अंबाला शहर में भाजपा के उम्मीदवारों को हार झेलनी पड़ी थी. अब उन्हीं शहरों में भाजपा ने अपने मेयर जिता दिए हैं. इससे माना जा रहा है कि कांग्रेस के विधायकों की पकड़ अपने इलाके में कमजोर पड़ी है और भाजपा का जीतना बताता है कि चुनाव हारने के बाद पार्टी इन क्षेत्रों में सक्रिय रही है. इस जीत के साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का कद भी हाईकमान की नजरों में बढ़ा है. स्थानीय निकाय चुनावों को अक्सर छोटे स्तर पर होने वाला ऐसा चुनाव माना जाता है जो यह दिखाता है कि लोग राज्य और देश की राजनीति को किस तरह देख रहे हैं. इन चुनावों से यह भी पता चलता है कि सत्ताधारी पार्टी की जमीनी पकड़ कितनी मजबूत है.

ऐसे में भाजपा की यह जीत सिर्फ सीटें जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी दिखाती है कि उसकी चुनावी तैयारी और रणनीति काफी मजबूत है.

धारूहेड़ा व सांपला में भाजपा की जीत के कई मायने हैं. यह सीट भाजपा की पारंपरिक सीटें नहीं है. इस जीत से संकेत मिलते हैं कि पार्टी अब उन सीटों पर भी धीरे-धीरे मजबूत हो रही, जहां वह पिछले चुनावों में कमजोर रही है. भाजपा की इस सफलता का एक बड़ा कारण यह माना जाता है कि वह हमेशा चुनावी तैयारी में लगी रहती है. पार्टी चुनाव को सिर्फ हार जीत तक सीमति नहीं है बल्कि वह इसे सतत चलने वाली प्रक्रिया मानकर जुटी रहती है.

> ### हर कोई चुनावी प्रचार में शिद्दत से जुड़ा
> हरियाणा के निकाय चुनाव को भले ही कांग्रेस ने इतनी गंभीरता से न लिया हो, मगर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा शुरुआत से ही इसे अपनी साख से जोड़कर चल रही थी . इसलिए फिर चाहे मुख्यमंत्री हो या कैबिनेट मंत्री हर कोई चुनावी प्रचार में इतनी शिद्दत से जुड़ा कि जैसे ही वह खुद ही चुनाव लड़ रहा हो . रोहतक की सांपला नगर पालिका पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा का गढ़ माना जाता है . इस क्षेत्र में भी भाजपा ने सेंध लगा दी है . यहां बीजेपी की जीत को विशेषज्ञ सिर्फ एक स्थानीय जीत नहीं मान रहे हैं, बल्कि इसे इस बात का संकेत मान रहे हैं कि कांग्रेस अपने पुराने मजबूत इलाकों में अब पहले जैसी पकड़ बनाए रखने में कमजोर पड़ रही है .

महाराष्ट्र में बन रहे नए समीकरण?

शरद पवार से मिले सुनील तटकरे, राजनीतिक चर्चाएं तेज

मंबई. महाराष्ट्र की राजनीति से एक बड़ी खबर सामने आई है. राष्ट्रवादी कांग्रेस (एनसीपी) के प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे वरिष्ठ नेता शरद पवार से मिलने पहुंचे. मुंबई स्थित 'सिल्वर ओक' निवास पर तटकरे ने शरद पवार से मुलाकात की.

हाल ही में राष्ट्रवादी कांग्रेस में चल रही राजनीतिक हलचलों और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सूची में तटकरे का नाम नहीं होने की खबरों के बाद इस मुलाकात को खास महत्व दिया जा रहा है. बताया जा रहा है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस में विभाजन के बाद सुनील तटकरे की शरद पवार से यह पहली मुलाकात है. एक तरफ राष्ट्रवादी कांग्रेस के विलय की चर्चाएं चल रही हैं. वहीं, दूसरी तरफ ऐसी खबरें सामने आ रही थीं कि सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल इस विलय के विरोध में हैं. इसी बीच आज तटकरे ने शरद पवार से मुलाकात की.

सुनील तटकरे ने कहा कि शरद पवार की तबीयत पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं थी, इसलिए उन्होंने उनसे मिलने के लिए समय मांगा था. सुनील तटकरे ने जवाब दिया कि आज समय मिलने पर वो उनसे मिलने पहुंचे. तटकरे ने स्पष्ट किया कि इस मुलाकात के पीछे कोई राजनीतिक कारण नहीं है और इसमें कोई राजनीति नहीं है.

> ### मुलाकात के समय को लेकर चर्चा
> हालांकि, सुनील तटकरे ने इसे केवल शरद पवार की तबीयत पूछने के लिए हुई मुलाकात बताया, लेकिन इसकी टाइमिंग को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं. सुनील तटकरे राष्ट्रवादी कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हैं, जबकि प्रफुल पटेल राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हैं. हालांकि, चुनाव आयोग को पार्टी की ओर से भेजे गए पत्र में इन पदों का उल्लेख नहीं था. इसके बाद यह चर्चा शुरू हो गई थी कि क्या ये दोनों नेता अब भी इन पदों पर बने हुए हैं या नहीं.

बंगाल में भाजपा की गारंटी की परीक्षा

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की गारंटियों की परीक्षा शुरू हो गई है. जो सबसे आसान था वह काम सरकार ने शुरू कर दिया है. सीमा पर बीएसएफ को जमीन दे देंगे ताकि वहां बाड़ लगाई जाए, यह सबसे आसान फैसला था.

ध्यान रहे बंगाल और बांग्लादेश के बीच 22 सौ किलोमीटर से ज्यादा लंबी सीमा है, जिसमें 16 सौ किलोमीटर से ज्यादा इलाके में बाड़ लगाई जा चुकी है. बचे हुए इलाके में बाड़ लगाने के लिए जमीन देने का फैसला सरकार ने कर लिया है. लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि इससे घुसपैठ रूक जाएगी. घुसपैठ रोकने, घुसपैठियों की पहचान करने और उन्हें बाहर निकालने का काम असली मुश्किल काम है. लेकिन उससे ज्यादा मुश्किल नकद पैसे देने वाली गारंटियों को पूरा करने का है. पश्चिम बंगाल में भाजपा ने महिलाओं को हर महीने तीन हजार रुपया देने का वादा किया है. साथ ही युवाओं को भी हर महीने तीन हजार रुपए दिए जाएंगे. भाजपा की सरकार कब से इस योजना को लागू करती है यह देखने वाली बात होगी.

विशेष | **बिहार में अब राजद के साथ गठबंधन ज्यादा दिनों का मेहमान नहीं**

डीएमके के बाद राजद से रिश्ते खत्म की तैयारी

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव 2025 **के चुनाव परिणाम के बाद ही तमिलनाडु की राजनीति के बदले एंगल की पटकथा लिख दी गई थी. कांग्रेस के सूत्र बताते हैं कि बिहार में मिली करारी हार के बाद ऐसा लगा कि सहयोगी पार्टियां (राजद) ही कांग्रेस के साथ छल कर रही है.**

इस कड़वाहट के साथ तमिलनाडु में कांग्रेस द्रमुक के साथ चुनाव लड़ी जरूर पर परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद डीएमके के साथ गठबंधन तोड़ दिया. इसके बाद कांग्रेस अभिनेता से नेता बने एक्टर जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके के साथ चल दी.

बिहार में राजद से भड़की कांग्रेस-

साल 2025 के विधानसभा चुनाव होने के पहले कांग्रेस के राजकुमार राहुल गांधी ने एकला चलो के संदेश के साथ कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और कन्हैया कुमार को बिहार में उतारा. इन दोनों नेताओं न केवल राजद से, बल्कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से भी दूरी बनाए रखी. कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु सारे कार्यक्रम सदाकत आश्रम से करने लगे. अपने कार्यक्रम और अपने निर्णय को सदाकत आश्रम से ही करते रहे, लेकिन इनके निर्णय पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की छाया तक नहीं पड़ने दी गई. कृष्णा अल्लावरु ने राजद की बी टीम के जवाब में चुनाव के ठीक पहले एयरपोर्ट पर यहां तक कह दिया था कि कांग्रेस जनता की ए टीम है. कृष्णा अल्लावरु की ये सारी गतिविधियां इतना जताने के लिए काफी थीं कि वो अब राजद की छाया से बाहर निकलना चाह रही है. वो अब राजद की बी टीम बन कर नहीं रहेगी. लेकिन उनके इस निर्णय से कांग्रेस के पुराने नेता खार खा गए. इन पुराने नेताओं का मानना था कि लालू प्रसाद यादव से अलग हो कर कांग्रेस की राजनीति बिहार में संभव नहीं है. कृष्ण अल्लावरु राजद से जुड़े तमाम कांग्रेस के करीबी नेताओं को कांग्रेस की नीतियों से अलग रखने लगे. राजद को बगैर साथ लिए अभियान भी चलाए. पुराने नेता नाराज थे लेकिन कांग्रेस के युवा कार्यकर्ता कृष्ण अल्लावरु और कन्हैया कुमार के इस पहल से खुश दिखने लगे.

> ### नाराज नेताओं ने कांग्रेस की मुहिम में लगाया पलीता
> कांग्रेस के सूत्र बताते है कि इस बीच कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेताओं ने सोनिया गांधी से मुलाकात कर कृष्णा अल्लावरु और कन्हैया कुमार के अभियान को बंद कराया और फिर से कांग्रेस-राजद के पुराने संबंध को जीवित कर दिया. इस तरह से सारी कोशिश बेकार गई और एक फिर कांग्रेस राजद की ह्वटीम की दिशा में चल लड़ी. बिहार के इंडिया गठबंधन में निर्णायक राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह करने लगे. नवंबर 2025 में जब बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आए तो राजद तो राजद, कांग्रेस भी औंधे मुंह उलट गई. कांग्रेस ने 61 सीटों पर चुनाव लड़ा और सिर्फ 6 सीटों पर जीत पाई.